सटीक नजर-सबकी खबर

INDIA TIMER

इंडिया टाइमर

इंडिया टाइमर में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
मोबाइल : 9050007221 9467504707

www.indiatimer.com indiatimer1@gmail.com indiatimer1 वर्ष : 12 || अंक : 9 || जीन्द, 23 मार्च 2026 || पृष्ठ : 4 || मूल्य : 3 रुपए INDIATIMER @indiatimer1

सीआरएसयू छात्रों के लिए वैश्विक मंच के खुले रास्ते

पुर्तगाल दौरे से लोटे वाइस चांसलर के प्रयासों के बलबुते विश्वविद्यालय बना अग्रणी संस्थान

संजय शर्मा

जींद, (इंडिया टाइमर) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय यानि सीआरएसयू जींद के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने दूरदर्शी और प्रभावशाली पहल करते हुए विश्वविद्यालय को वैश्विक शिक्षा और शोध के मंच पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 15 से 20 मार्च 2026 तक पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की उनकी यात्रा ने सीआरएसयू को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए दौर में प्रवेश दिलाया है। इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान प्रो. सैनी ने यूरोप के प्रतिष्ठित संस्थान आईएसटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लिस्बन में विश्व प्रसिद्ध रसायनज्ञ प्रो. अरमांडो जे. एल. पोम्बेइरो और विश्व के अग्रणी वैज्ञानिक प्रो. डॉ. बृज ब्रिज मोहन सहित कई शीर्ष वैज्ञानिकों से उच्चस्तरीय चर्चा की। बैठकों में संयुक्त शोध, छात्र विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर ठोस कदम उठाए गए। यह पहल सीआरएसयू को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लाती है, जो अपने छात्रों को सीधे वैश्विक शोध नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। आईएसटी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. रूई मेनडस के साथ बैठक में छात्र विनिमय, संयुक्त डिग्री, पीएचडी स्तर पर शोध सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी, जिससे सीआरएसयू के छात्रों के लिए विदेश में शिक्षा और करियर के रास्ते खुलेंगे। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में प्रो. हेनरीकयू मेटोस और प्रो. इसाबल मारूछो के साथ हुई चर्चा में स्मार्ट सेंसर, हरित रसायन, पर्यावरणीय समाधान और उन्नत विज्ञान पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने 1779 में स्थापित लिस्बन की विज्ञान अकादमी का दौरा कर वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद किया, जिससे सीआरएसयू की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई। प्रो. सैनी का यह कदम सीआरएसयू के छात्रों के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। यहा के छात्र केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह यात्रा सीआरएसयू और आईएसटी के बीच मजबूत सांझेदारी की शुरुआत है। सीआरएसयू अब वैश्विक शिक्षा की दौड़ में अग्रणी बनकर उभर रहा है।

सीआरएसयू और आईएसटी के बीच मजबूत सांझेदारी की शुरुआत

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 23 Mar 2026 - Page 2

विवि को वैश्विक मंच पर ले गए वीसी, छात्रों के लिए खुले विदेश के रास्ते

लिस्बन यात्रा से छात्रों के लिए खुले विश्वस्तरीय अवसर

पुर्तगाल दौरे से सीआरएसयू बना अंतरराष्ट्रीय सहयोग में अग्रणी संस्थान,संयुक्त शोध को मिली गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय सीआरएसयू जींद के कुलपति प्रो. डा. राम पाल सैनी ने दूरदर्शी और प्रभावशाली पहल करते विवि को वैश्विक शिक्षा और शोध के मंच पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 15 से 20 मार्च 2026 तक पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की उनकी यात्रा ने सीआरएसयू को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए दौर में प्रवेश दिलाया है।इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान प्रो. सैनी ने यूरोप के प्रतिष्ठित संस्थान इंस्टीटयूटो, सुपीरियर टैक्नीको (आईएसटी) यूनिवर्सिटी ऑफ लिस्बन में विश्व प्रसिद्ध रसायनज्ञ प्रो. अरमांडो जेएल पोम्बेइरो और विश्व के अग्रणी वैज्ञानिक प्रो. डा. बृज ब्रिज मोहन सहित कई शीर्ष वैज्ञानिकों से उच्चस्तरीय चर्चा की। सेंटरो डिक्यूमिका एस्ट्रूरट्रल में हुई बैठकों में संयुक्त शोध, छात्र विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर ठोस कदम उठाए गए। यह पहल सीआरएसयू को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लाती है, जो अपने छात्रों को सीधे वैश्विक शोध नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। आईएसटी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डा. रूई के साथ हुई बैठक में छात्र विनिमय, संयुक्त डिग्री, पीएचडी स्तर पर शोध सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी। जिससे सीआरएसयू के छात्रों के लिए विदेश में शिक्षा और करियर के रास्ते खुलेंगे। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में प्रो. हैन्रीक्यू मेटोस और प्रो. इजाबेल के साथ हुई चर्चा में स्मार्ट सेंसर, हरित रसायन, पर्यावरणीय समाधान और उन्नत विज्ञान पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने 1779 में स्थापित लिस्बन की विज्ञान अकादमी का दौरा कर वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद किया। जिससे सीआरएसयू की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई। सीआरएसयू वीसी प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि यह कदम सीआरएसयू के छात्रों के लिए गेम चेंजर साबित होगा।

Date-23.03.2026

CRSU expands global footprint with strategic academic engagement in Portugal

SHIV KUMAR SHARMA

JIND/LISBON: Chaudhary Ranbir Singh University (CRSU), Jind has taken a significant step toward internationalisation by strengthening academic and research collaborations with leading European institutions during a high-level visit to Lisbon, Portugal. The Vice-Chancellor, Prof. (Dr.) Ram Pal Saini, visited Lisbon from March 15 to 20, 2026, where he engaged with eminent scientists and academic leaders at Instituto Superior Técnico (IST), University of Lisbon, and the historic Academy of Sciences of Lisbon. A key highlight of the visit was Prof. Saini's interaction with globally renowned chemist Prof. Armando J. L. Pombeiro and world-leading scientist Prof. Dr. Brij Briz Mohan, along with other distinguished researchers at the Centro de Química Estrutural (CQE). The discussions focused on advancing joint research initiatives, academic partnerships, and student mobility. The meetings laid a strong foundation for collaboration in critical areas such as catalysis, sustainable chemistry, environmental solutions, and advanced molecular sciences—fields that are central to addressing contemporary global challenges.

अमर उजाला

Date-23.03.2026

पुर्तगाल दौरे से खुले शोध और कॅरियर के नए रास्ते

सीआरएसयू बना अंतरराष्ट्रीय शोध और सहयोग में अग्रणी संस्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. राम पाल सैनी की दूरदर्शी पहल ने विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा के मानचित्र पर मजबूती से स्थापित कर दिया है। 15 से 20 मार्च तक पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन के उनके दौरे ने सीआरएसयू के छात्रों के लिए विश्वस्तरीय शोध और कॅरियर के नए रास्ते खोल दिए हैं।

प्रो. सैनी ने बताया कि यूरोप के इंस्टिट्यूटो सुपीरियर टेक्नीको, यूनिवर्सिटी ऑफ लिस्बन में रसायनज्ञ प्रो. अरमांडो जेएल पोम्बेइरो और प्रमुख वैज्ञानिक प्रो. डॉ. बृज मोहन सहित कई शीर्ष विशेषज्ञों से चर्चा की। बैठकों के दौरान संयुक्त शोध, छात्र विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर ठोस सहमति बनी।

यह पहल सीआरएसयू को देश के उन चुनिंदा संस्थानों की श्रेणी में खड़ा करती है जो अपने छात्रों को सीधे वैश्विक नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। आईएसटी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. रुई मेंडेस के साथ हुई बैठक में संयुक्त डिग्री और पीएचडी स्तर पर शोध सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा की।

पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में मौजूद कुलपति प्रो. रामपाल सैनी और अन्य। स्रोत : विवि

प्रतिनिधिमंडल ने 1779 में स्थापित लिस्बन एकेडमी ऑफ साइंसेज का दौरा कर वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद किया। प्रो. सैनी के इस कदम से भविष्य में स्मार्ट सेंसर, हरित रसायन और उन्नत विज्ञान जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ेगा।

कुलपति प्रो. सैनी की यह पहल सीआरएसयू के छात्रों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी जिससे वे अब केवल स्थानीय स्तर पर ही नहीं बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भी अपनी पहचान बना सकेंगे।

दैनिक जागरण

Date-23.03.2026

पुर्तगाल पहुंचे सीआरएसयू के कुलपति

शिक्षा विशेषज्ञों से बातचीत करते कुलपति प्रो. रामपाल सैनी • सौ. सीआरएसयू

जासं • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने पुर्तगाल का दौरा किया। इस दौरान पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की यात्रा ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए दौर में प्रवेश दिलाया। इस दौरान वैश्विक शिक्षा और शोध को लेकर बड़ा कदम उठाया गया। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने यूरोप के प्रतिष्ठित संस्थान इंस्टिट्यूट सुपीरियर टेक्नो यूनिवर्सिटी आफ लिस्बन में विश्व प्रसिद्ध रसायनज्ञ प्रो. अरमांडो जेएल पोम्बेइरो और विश्व के अग्रणी वैज्ञानिक प्रो. डा. कृज क्रिज मोहन समेत कई शीर्ष वैज्ञानिकों से उच्चस्तरीय चर्चा की।

पंजाब केसरी

Date-23.03.2026

सीआरएसयू छात्रों के लिए वैश्विक मंच के खुले रास्तेः आईएसटी से मजबूत सांझेदारी की शुरुआत

जींद,संजय शर्मा(पंजाब केसरी): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय यानि सीआरएसयू जींद के कुलपति प्रो. राम पाल सैनी ने दूरदर्शी और प्रभावशाली पहल करते हुए विश्वविद्यालय को वैश्विक शिक्षा और शोध के मंच पर स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। 15 से 20 मार्च 2026 तक पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन की उनकी यात्रा ने सीआरएसयू को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए दौर में प्रवेश दिलाया है।

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान प्रो. सैनी ने यूरोप के प्रतिष्ठित संस्थान आईएसटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लिस्बन में विश्व प्रसिद्ध रसायनज्ञ प्रो. अरमांडो जे. एल. पोम्बेइरो और विश्व के अग्रणी वैज्ञानिक प्रो. डॉ. बृज ब्रिज मोहन सहित कई शीर्ष वैज्ञानिकों से उच्चस्तरीय चर्चा की। बैठकों में संयुक्त शोध, छात्र विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर ठोस कदम उठाए गए। यह पहल सीआरएसयू को देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लाती है, जो अपने छात्रों को सीधे वैश्विक शोध नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। आईएसटी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक डॉ. रूई मेनडस के साथ बैठक में छात्र विनिमय, संयुक्त डिग्री, पीएचडी स्तर पर शोध सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सहमति बनी, जिससे सीआरएसयू के छात्रों के लिए विदेश में शिक्षा और करियर के रास्ते खुलेंगे। रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में प्रो. हेनरीकयू मेटोस और प्रो. इसाबल मारूछो के साथ हुई चर्चा में स्मार्ट सेंसर, हरित रसायन, पर्यावरणीय समाधान और उन्नत विज्ञान पर सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने 1779 में स्थापित लिस्बन की विज्ञान अकादमी का दौरा कर वरिष्ठ वैज्ञानिकों से संवाद किया, जिससे सीआरएसयू की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई। प्रो. सैनी का यह कदम सीआरएसयू के छात्रों के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। यहा के छात्र केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह यात्रा सीआरएसयू और आईएसटी के बीच मजबूत सांझेदारी की शुरुआत है। सीआरएसयू अब वैश्विक शिक्षा की दौड़ में अग्रणी बनकर उभर रहा है।